मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4 **BHDE-101/EHD-1**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

बी.एच.डी.ई.-101/ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्म भर की घटनाएँ एक-एक करके सामने आती हैं। सारे दृश्यों के रंग साफ होते हैं, समय की धुंध बिल्कुल उस पर से हट जाती है।

(ख) जीवन तुम से ज्यादा असार भी दुनिया में कोई वस्तु है ? क्या वह उस दीपक की भाँति क्षणभंगुर नहीं, जो हवा के एक झोंके से बुझ जाता है। पानी के एक बुलबुले को देखते हो, लेकिन उसे टूटने में भी कुछ देर लगती है, जीवन में उतना सार भी नहीं। साँस का भरोसा ही क्या और इसी नश्वरता पर हम अभिलाषाओं के कितने विशाल भवन बनाते हैं। नहीं जानते, नीचे वाली साँस ऊपर आएगी या नहीं, पर सोचते इतने दूर की हैं, मानो हम अमर हैं।

(ग) आर्य ! आप बोलते क्यों नहीं ? आप धर्म के नियामक हैं। जिन स्त्रियों को धर्म-बंधन में बाँधकर, उनकी सम्मति के बिना आप उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिकार—कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपत्ति में अवलम्ब माँग सकें ? क्या भविष्य के सहयोग की कोरी कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं ?

(घ) बार-बार राजनीति ! प्रत्येक प्रश्न में राजनीति ! राज्य का समाहर्त्ता राज्य के महामंत्री से राजनीति के रहस्य नहीं कहना चाहता ? और आसव-पान करने में भी तुम्हारी राजनीति है ! हाँ, तुम्हारी नहीं, मेरी है। समाहर्त्ता ! यदि तुम नहीं चाहते तो मैं तुमसे राजनीति के रहस्य खोलने के लिए नहीं कहूँगा। कविता की बातें कहूँगा। कविता की बातें कर सकते हो ?

(ङ) मेरी आत्मा बड़ी सुलझी हुई बात कह देती है कभी-कभी। अच्छी आत्मा 'फोल्डिंग' कुर्सी की तरह होनी चाहिए। जरूरत पड़ी तब फैलाकर उस पर बैठ गये, नहीं तो मोड़कर कोने में टिका दिया। जब कभी आत्मा अड़ंगा लगाती है, तब मुझे समझ में आता है कि पुरानी कथाओं के दानव अपनी आत्मा को दूर किसी पहाड़ी पर तोते में क्यों रख देते थे, वे उससे मुक्त होकर बेखटके दानवी कर्म कर सकते थे। देव और दानव में अब भी तो यही फर्क है—एक की आत्मा उसके पास रहती है और दूसरे की उससे दूर।

2. हिन्दी गद्य के विकास के कारणों की चर्चा कीजिए। 16

3. 'ठेस' कहानी के आधार पर सिरचन का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

4. 'निर्मला' की कथावस्तु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 16

5. रेडियो एकांकी के तत्वों के आधार पर 'रात बीतने तक' की समीक्षा कीजिए। 16

6. 'ध्रुवस्वामिनी' के आधार पर जयशंकर प्रसाद के नाटकों की विशेषताएँ बताइए। 16

7. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 16

8. उपन्यास के प्रमुख तत्वों का परिचय दीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 8 = 16$

(क) 'भैया एक्सप्रेस' की भाषा

(ख) 'रीढ़ की हड्डी' का संदेश

(ग) भारतेन्दु युग का गद्य

(घ) नुक्कड़ नाटक